हिन्दी विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,जोधपुर
व्याख्यानमाला

जयशंकर प्रसाद की कालजयी कृति
कामायनी

प्रो. प्रवीणचन्द्र त्रिवेदी
माननीय, कुलपति
मुख्य संरक्षक

हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह,
एक पुरुष, भीगे नयनों से देख रहा था प्रलय प्रवाह।
नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्व की ही प्रधानता कहो उसे जड़ या चेतन ।

मुख्य वक्ता
प्रो. विजयबहादुर सिंह
सुप्रसिद्ध आलोचक

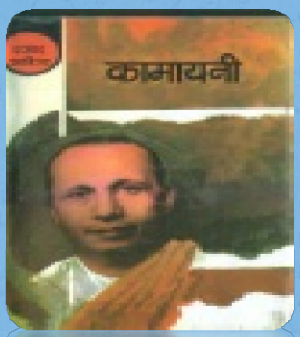

प्रो. के.एल. रैगर
अधिष्ठाता, कला संकाय
संरक्षक

प्रतिफलित हुई सब आँखें उस प्रेम-ज्योति-विमला से,
सब पहचाने से लगते अपनी ही एक कला से।
समरस थे जड़ या चेतन सुन्दर साकार बना था,
चेतनता एक विलसती आनंद अखंड घना था।

प्रो. नरेन्द्र मिश्र
स्वागताध्यक्ष
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

दिनांक 30 अगस्त, 2020
समय – प्रात: -11 बजे से

संयोजक
डॉ. महेन्द्र सिंह
सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग

आयोजन सचिव
डॉ. विनिता चौहान
सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग

तकनीकी सहयोग
डॉ. कमला चौधरी
सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग

Join us :- GOOGLE MEET facebook